Course – BA Education Hons, Part 1
Paper – 1
Topic – Naturalism in Education
Prepared by – Dr. Sangeeta Kumari

इकाई 6 : शिक्षा में प्रकृतिवाद
Unit 6 : NATURALISM IN EDUCATION

## 6.1 प्रकृतिवाद का अर्थ (Meaning of Naturalism):-

प्रकृतिवादी प्रकृति को ही सब कुछ मानते हैं। इनके अनुसार प्रकृति के अलावा कुछ भी सत्य नहीं है। प्रत्येक वस्तु प्रकृति से ही पैदा होती है और उसमें पुनः विलीन हो जाती है। यह दर्शन "शक्ति के संरक्षण तथा विकास के सिद्धान्त पर बल देता है।

## 6.2 प्रकृतिवाद की परिभाषा (Definition of Naturalism)

पैरी के अनुसार,
" प्रकृतिवाद विज्ञान नहीं है, वरन विज्ञान के बारे में दावा है। अधिक स्पष्ट रूप से यह इस बात का दावा है कि वैज्ञानिक ज्ञान अन्तिम है, जिसमें विज्ञान से बाहर दार्शनिक ज्ञान का कोई आधार नहीं है।"

जेम्स वार्ड के अनुसार,
" प्रकृतिवाद एक सिद्धान्त है जो प्रकृति को ईश्वर से अलग करता है। आत्मा को पदार्थ के अधीन करता है तथा परिवर्तनशील नियमों को सर्वोच्च मानता है।"

Scanned with CamScanner

## 6.3 प्रकृतिवाद की प्रमुख विशेषताएँ (Main characteristics of Naturalism)

1. संसार एक महान यन्त्र है और मनुष्य इस महान यन्त्र का एक भाग है, जो अपने में पूर्ण है।
2. प्रकृति ही सब कुछ है। मनुष्य तथा सभी जीव प्रकृति की रचना है।
3. वर्तमान जीवन ही वास्तविक जीवन है। इसके परे कोई और क्रिया नहीं है।
4. मन मस्तिष्क की उपज है तथा विज्ञान ही ज्ञान का एकमात्र साधन है।
5. मनुष्य अपनी प्रकृति के अनुसार पृथ्वी का उच्चतम पशु है।
6. ज्ञान और सत्य का आधार - इन्द्रियों का अनुभव है।
7. विचार प्राकृतिक वातावरण पर निर्भर करते हैं।

## 6.4 प्रकृतिवाद एवं शिक्षा (Naturalism and Education)

प्रकृतिवादी आन्दोलन का प्रारम्भ करने का श्रेय बेकन और कामेनियस को जाता है। इन्हीं ने इस आन्दोलन को चरम सीमा तक पहुँचाया। प्रकृतिवाद की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-

### (1) प्रकृति की ओर लौटो :-

प्रकृतिवाद का नारा - प्रकृति की ओर लौटो। इसके अनुसार बालक की महान शिक्षिका प्रकृति ही है। अतः बालक को उसकी प्रकृति के अनुसार विकसित होने के लिए प्राकृतिक वातावरण प्रस्तुत करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

(4) पुस्तकीय ज्ञान का विरोध :-

प्रकृतिवादियों ने पुस्तकीय ज्ञान का विरोध किया है तथा बच्चों के स्वाभाविक क्रियाशीलता पर बल दिया।

(5) बालक की प्रधानता :-

प्रकृतिवादियों ने शिक्षा प्रक्रिया में बालक का स्थान अतिमहत्वपूर्ण माना है। उन्होंने बाल-केन्द्रित शिक्षा की वकालत की है।

(4) निषेधात्मक शिक्षा :-

प्रकृतिवाद की एक प्रमुख विशेषता है शिक्षा का निषेधात्मक होना। यह बालक को उस मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है जो उसे बड़ा होने पर सत्य की ओर ले जाएगा।

(5) इन्द्रियों के प्रशिक्षण पर बल :-

प्रकृतिवादी शिक्षा की एक विशेषता बालक की समस्त इन्द्रियों को प्रशिक्षित करना है। प्रकृतिवादियों के अनुसार बालक के मस्तिष्क में ज्ञान को ठूँसना उचित नहीं है बल्कि ज्ञान को प्रभावशाली बनाने के लिए इन्द्रियों का प्रशिक्षण आवश्यक है।

(6) बालक की स्वतंत्रता :-

प्रकृतिवादियों की धारणा है कि बालक को उसकी प्रकृति एवं रुचि के अनुसार कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता होनी चाहिए। स्वतंत्र वातावरण के बिना बालक का स्वाभाविक विकास सम्भव नहीं है।

Scanned with CamScanner

## 6.5 प्रकृतिवाद एवं पाठ्यक्रम (Naturalism and curriculum)

प्रकृतिवादी मौलिक जीवन को ही सत्य मानते हैं और उसकी रक्षा एवं विकास पर ही सर्वाधिक बल देते हैं। हरबर्ट स्पेन्सर के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के पूर्ण जीवन व्यतीत करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने मानव जीवन की सम्पूर्ण क्रियाओं को उनके महत्व के अनुसार पाँच भागों में बाँटा है:—

(1) आत्मरक्षा के कार्य
(2) जीविकोपार्जन के कार्य
(3) वंशवृद्धि और शिशु रक्षा सम्बन्धी कार्य
(4) सामाजिक तथा राजनीतिक कार्य
(5) अवकाश के समय का सदुपयोग करना

इसके लिए हरबर्ट ने पाठ्य विषयों को भी निर्धारित किया है। जैसे आत्मरक्षा के लिए स्वास्थ्य विज्ञान, जीविकोपार्जन के लिए भाषा, गणित तथा पदार्थ विज्ञान, वंशवृद्धि एवं रक्षा के लिए शरीर विज्ञान, गृह विज्ञान आदि। सामाजिक तथा राजनैतिक कार्यों के लिए इतिहास, समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र और अवकाश के समय सदुपयोग के लिए साहित्य, संगीत कला आदि।

## 6.6 प्रकृतिवाद एवं शिक्षण विधियाँ (Naturalism & Teaching Method)

शिक्षण विधियाँ निम्नलिखित हैं:—

### (1) स्वानुभव द्वारा सीखना (Learning by self experience):—

प्रकृतिवाद बालक के स्वानुभव पर बल देता है। उसी के अनुसार, "अपने विद्यार्थी को शाब्दिक पाठ मत पढ़ाओ, बल्कि उसे वास्तविक अनुभव के साथ पढ़ने दो। विद्यार्थी के ऊपर बाह्य ज्ञान थोपे जाने का विरोध करते हैं और कहते हैं कि उसे उसकी रुचि, क्षमता तथा योग्यतानुसार सीखने का अवसर देना चाहिए।

Scanned with CamScanner

(2) करके सीखना (Learning by doing)

प्रकृतिवाद "करके सीखने" की उत्तम क्षमता है तथा पुस्तकीय ज्ञान का विरोध करता है।

(3) प्रकृति द्वारा सीखना (Learning by Nature):-

रूसो का कहना है कि प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षिका है। प्रकृति सभी प्राणियों को उनकी आवश्यकतानुसार जीवन को संचालित करने की कला सिखाती है।

(4) खेल द्वारा सीखना (Learning by Playway):→

प्रकृतिवाद के अनुसार यदि खेल द्वारा किसी चीज को सीखा जाए तो उसमें औपचारिकता नहीं होती है वरन सहजता और स्वाभाविक होती है खेल एक स्वाभाविक विधि है जिसमें कृतिमता का अभाव पाया जाता है।

(5) निरीक्षण द्वारा सीखना: (Learning through observation)

प्रकृतिवादी शिक्षण विधि में पदार्थों के प्रत्यक्ष अनुभव पर बल दिया जाता है। कक्षा के बन्द दीवालों के भीतर सही तथ्य का ज्ञान नहीं हो सकता है। वहाँ तो अमूर्त एवं काल्पनिक ज्ञान मिलता है जिस पर प्रकृतिवादी विश्वास नहीं करते हैं।

(6) ह्यूरिस्टिक विधि (Heuristic method):-

प्रकृतिवादी खोज विधि के प्रबल समर्थक हैं। उनके अनुसार ह्यूरिस्टिक विधि के कार्य करने पर स्वयं अपने तर्क उत्पन्न होते हैं, स्वतः क्रियाएँ होती हैं तथा निर्णय की क्षमता का विकास होता है। इस विधि में किसी दूसरे का हस्तक्षेप नहीं रहता बल्कि बालक स्वयं अपने कार्यों का मूल्यांकन करता है तथा उनके अनुसार प्रयासों में संशोधन करता है।

Scanned with CamScanner

## 6.7 प्रकृतिवाद तथा बालक (Naturalism and child)

प्रकृतिवादी शिक्षा बाल केन्द्रित होती है। इस विचारधारा के अनुसार बालक ही शिक्षा का केन्द्र होता है। सभी बच्चे अलग-अलग रुचि, रुझान एवं योग्यता के होते हैं।

## 6.8 प्रकृतिवाद तथा विद्यालय (Naturalism and school):-

प्रकृतिवाद के अनुसार प्रकृति की गोद में ही विद्यालय है और प्रकृति ही शिक्षिका है। प्रकृतिवाद के अनुसार विद्यालय व्यवस्था में स्वतंत्रता, आदर्श वातावरण एवं समुचित विकास करने के अवसर प्रदान करने की क्षमताएँ होनी चाहिए।

विद्यालय में किसी प्रकार का कृत्रिम वातावरण न हो, वहाँ खेल, क्रिया, भ्रमण-निरीक्षण आदि की स्वतंत्रता हो। विद्यालय में न तो कोई नियम हो, न ही प्रबन्ध हो, न ही समय सारिणी हो, अपनी इच्छानुसार बालक क्रिया करें। विद्यालय में स्वाभाविक वातावरण सृजित करने के लिए आवश्यक है कि विद्यालय में न कोई भवन हो और न ही कक्षा शिक्षण की व्यवस्था।

## 6.9 प्रकृतिवाद एवं शिक्षक (Naturalism and Teacher)

प्रकृतिवाद दर्शन में शिक्षा बाल केन्द्रित होती है, शिक्षक का स्थान गौण होता है। प्रकृतिवादी मानते हैं कि प्रकृति ही बालक की सबसे बड़ी शिक्षिका है। रॉस इस बारे में कहते हैं "यदि शिक्षक का कोई स्थान है तो पर्दे के पीछे है।" शिक्षक एक मित्र एवं सहायक के रूप में होता है। अध्यापक में कुछ गुणों का होना आवश्यक है, उसे बालक के प्रति प्रेम एवं सहानुभूति रखनी चाहिए।

Scanned with CamScanner

## 6.10 प्रकृतिवाद तथा अनुशासन (Naturalism & Discipline)

प्रकृतिवादी स्वतंत्रता के पक्षपाती हैं। उनका मानना है कि बाह्य हस्तक्षेप के फलस्वरूप दण्ड के कारण बालक की मूल प्रवृत्तियों का दमन होता है जो उसके स्वाभाविक विकास में बाधक है। उनके अनुसार बच्चे द्वारा गलती करने पर प्रकृति स्वयं ही उसे दण्ड देगी।

हर्बर्ट स्पेन्सर ने शिक्षा में अनुशासन की समस्या का समाधान 'आनन्द और दुःख के सिद्धान्त' के आधार पर किया है। इसी प्रकार प्रकृति भी मनुष्य के कार्य करने के लिए उसे सुख-दुःख प्रदान करती है।

## 6.11 प्रकृतिवाद एवं बालक (Naturalism and child):-

प्रकृतिवाद में बालक केन्द्रित शिक्षा की व्यवस्था होती है। प्रकृतिवाद विश्वास करता है कि शिशु में एक पूर्ण मनुष्य का गुण विद्यमान होता है केवल उसे प्रकाशित होने का उपयुक्त अवसर मिलना चाहिए। बालक में सभी अच्छाइयां होती है वह सामाजिक नियंत्रण एवं सामाजिक प्रभावों के कारण प्रस्फुटित नहीं हो पाती है और वह बुरा बन जाता है। प्रकृतिवादी कहते हैं कि बालक को समाज से दूर रखो उसमें कृतिमता नहीं आएगी वह स्वयं अच्छा बन जाएगा। प्रकृतिवादी कहते हैं कि बालक को स्वतंत्र छोड़ दो, उसे बन्धनों से मुक्त कर दो, वह जो बनना है बन जाएगा। अन्यथा जो नहीं बनना है वह बनेगा, खोटी बुराइयाँ उसमें आ जाएगी।

Scanned with CamScanner

## अभ्यास के प्रश्न (Questions for Exercise)

Define Naturalism. Describe the discipline, teacher and teaching methods according to Idealism.

प्रकृतिवाद को परिभाषित कीजिए। प्रकृतिवाद के अनुसार अनुशासन, शिक्षक तथा शिक्षण विधियों का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner